एम॰ एस॰ पावर पॉइन्ट

परिचयः

किसी विषय को शब्दों की अपेक्षा चित्रों के माध्यम से अधिक सरलता से समझा जा सकता है। लिखित शब्दो की तुलना में चित्रण सदैव अधिक प्रभावशाली होता है। चित्रो के द्वारा अधिक से अधिक विषयों को समझा व याद रखा जा सकता है। प्रस्तुतिकरण (प्रेज़ेन्टेशन) वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा विषय को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाता है।

(जैसे प्रेज़ेन्टेशन के द्वारा छात्रों को भारत में मृदा क्षरण के विषय में सुचारु रूप से समझाया जा सकता है।)

प्रेज़ेन्टेशन देने के लिए दर्शको के आगे माइक लेकर विषय से सम्बन्धित सूचनाएँ बोल कर व्यक्त किया जाता है। परन्तु आधुनिक युग मे यह कार्य प्रेज़ेन्टेशन सॉफ्टवेयर जैसे– एम॰ एस॰ पावर पॉइन्ट, लोटस इत्यादि के सहायता से किया जाता है।

चित्रीय प्रस्तुतिकरण के सॉफ्टवेयर (प्रज़ेन्टेशन ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर):

चित्रीय प्रस्तुतिकरण के सॉफ्टवेयर विशेष प्रकार के सॉफ्टवेयर होते हैं, जो व्यवसायिक रूप से दर्शको के सामने प्रस्तुत करने के लिए प्रज़ेन्टेशन बनाने में प्रयोग कियें जातें हैं। प्रज़ेन्टेशन मे प्रस्तुत चित्रण चित्र, फोटो तथा लिखित टेक्स्ट के मिले जुले रूप में हो सकते हैं।

चित्रण में प्रयोग हेतु कुछ मुख्य प्रेज़ेन्टेशन सॉफ्टवेयर पैकेज कोरल ड्रॉ, मल्टीमीडिया डायरेक्टर, पावर पॉइन्ट इत्यादि हैं।

एम॰ एस॰ पावर पॉइन्ट, एम॰ एस॰ ऑफिस का भाग है, जो मुख्य रूप से प्रेजेन्टेशन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। चार्ट, ग्रैफिक्स, स्लाइड, हैन्डआउट, नोटपेज इत्यादि पावर पॉइन्ट पर बना सकते है। पावर पॉइन्ट में स्लाइड का स्लाइड शो करते है, वास्तव मे यही इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुतिकरण है, जो कम्प्यूटर के स्क्रीन या प्रोजेक्टर स्क्रीन पर चलाया जाता है।

पावर पॉइन्ट में प्रेजेन्टेशन बनाने के चरणः

पावर पॉइन्ट प्रेजेन्टेशन कई स्लाइडो का समूह होता है, जो वास्तव में इलेक्ट्रॉनिक पेज होते हैं।

1. **प्रेज़ेन्टेशन को प्रारम्भ करने का प्रकार चुननाः**

   पावर पॉइन्ट, प्रेजेन्टेशन को प्रारम्भ करने के कुछ विकल्प प्रदान करता है। जैसे– ऑटोकॉन्टेक्ट विजार्ड, डिजाइन टैम्प्लेट्स, सैम्पल प्रेजेन्टेशन, ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन। इनमें से आवश्यकतानुसार किसी भी विकल्प को चुनें।

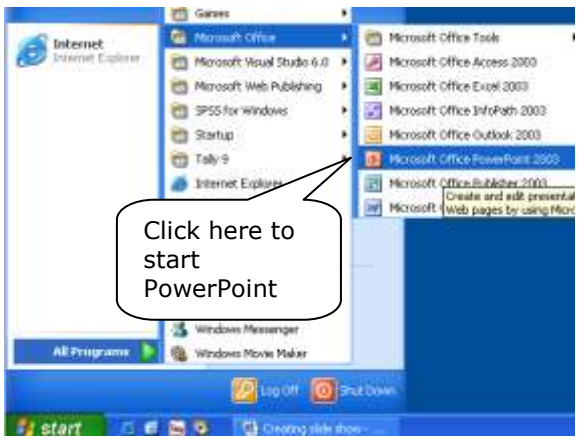

2. **स्लाइड बनानाः**

   आवश्यकतानुसार प्रेजेन्टेशन को प्रारम्भ करने का प्रकार चुनने के पश्चात विषय से सम्बन्धित स्लाइड बनाते है।

3. प्रेज़ेन्टेशन को इच्छानुसार एडिट करना:
स्लाइड बनाने के पश्चात आवश्यकतानुसार फॉरमेटिंग तथा एडिटिंग करके व्यवस्थित करते हैं तथा ड्राइंग टूलबार के द्वारा चित्र व आकृति डालते हैं।

4. स्लाइड का प्रिव्यू देखना:
सभी फॉरमेटिंग तथा एडिटिंग करने के पश्चात यह भली भांति जाँच लेते हैं कि सभी सूचना उचित स्थान पर है या नहीं। इसके लिए प्रिव्यू देखते है।

5. स्लाइड शो तैयार करना:
स्लाइड प्रस्तुत करने के लिये तैयार है, पावर पॉइन्ट के विशेष सुविधा के प्रयोग से प्रस्तुतिकरण को और अधिक आकर्षक रूप देने के लिए स्लाइड पर एनिमेशन तथा ट्रान्जिशन प्रभाव भी डाला जाता है और अन्त मे इसका स्लाइड शो किया जाता है। (स्लाइड शो में बनाए गए स्लाइड एक के बाद एक प्रस्तुत होते रहते हैं।)

पावर पॉइन्ट को प्रारम्भ करना:
पावर पॉइन्ट को प्रारम्भ करने की प्रक्रिया उसी प्रकार है, जिस प्रकार एम॰ एस॰ ऑफिस के अन्य एप्लिकेशन को प्रारम्भ करने की है। पावर पॉइन्ट को प्रारम्भ करने के लिए निम्नलिखित चरणों का प्रयोग करें:

Start → All Programs → M.S. Office → M.S.PowerPoint

पावर पॉइन्ट की विन्डो:
पावर पॉइन्ट को चालू करने के पश्चात निम्न विन्डो तथा उसके अवयव प्राप्त होंगे।

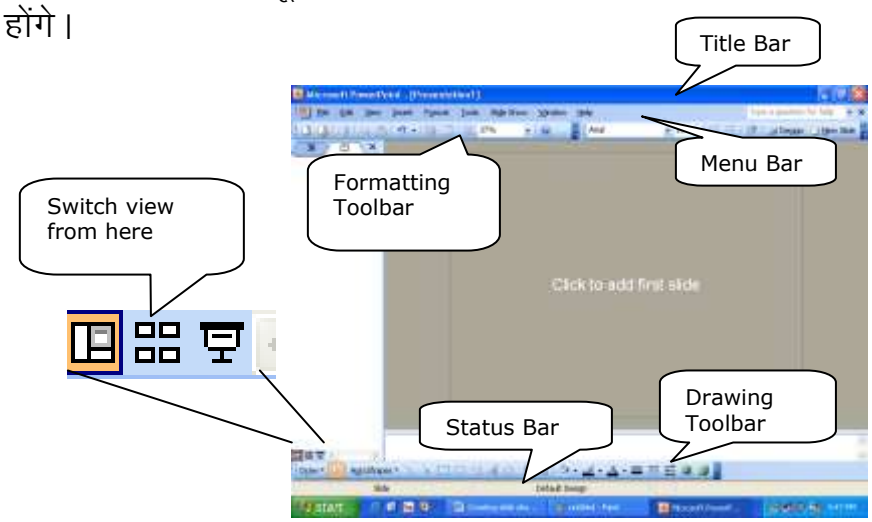

पावर पॉइन्ट में प्रेज़ेन्टेशन बनाना:
नया प्रेज़ेन्टेशन बनाने के लिए पावर पॉइन्ट के टास्क पैन में कुछ विकल्प प्राप्त होते हैं, जिनसे विभिन्न प्रकार से प्रेज़ेन्टेशन बनाया जा सकता है। पावर पॉइन्ट के टास्क पैन के विकल्प निम्नलिखित है:

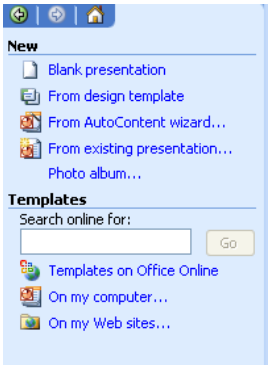

1. ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन
2. फ्रॉम डिज़ाइन टैम्प्लेटस
3. फ्रॉम ऑटो कन्टेन्ठ विज़ार्ड
4. फ्रॉम एग्ज़िस्टिंग प्रेज़ेन्टेशन

पावर पॉइन्ट में प्रेज़ेन्टेशन बनाने के लिए स्टार्ट अप डायलॉग बॉक्स का भी प्रयोग किया जा सकता है, (पावर पॉइन्ट को प्रारम्भ करने पर दाईं ओर जो डायलॉग बॉक्स दिखता है वह स्टार्ट अप कहलाता है।)

इसके अतिरिक्त 'फाइल मेन्यू' के 'न्यू' विकल्प पर क्लिक करें या स्टैन्डर्ड टूल बार से 'न्यू' आइकन पर क्लिक करके भी नया प्रेज़ेन्टेशन खोला जा सकता है।

New (Ctrl + N)

ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन बनाने के क्रमबद्ध चरण:

पावर पॉइन्ट की प्रथम स्क्रीन के डायलॉग बाक्स मे से 'ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन' विकल्प को चुनने पर निम्नलिखित रूप से प्रेज़ेन्टेशन बना सकते है–

1. क्रिएट ए ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन तथा ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन विकल्प कमशः चुनकर उसपर क्लिक करेंगे।
2- क्लिक करने पर पहली स्लाइड दिखेगी, जिसमे दो टेक्स्ट बॉक्स प्राप्त होंगे।
3- दाएँ ओर स्थित टास्क पैन में विभिन्न स्लाइड के ले–आउट प्राप्त होते है, जिनमे से इच्छानुसार ले–आउट चुना जा सकता है।

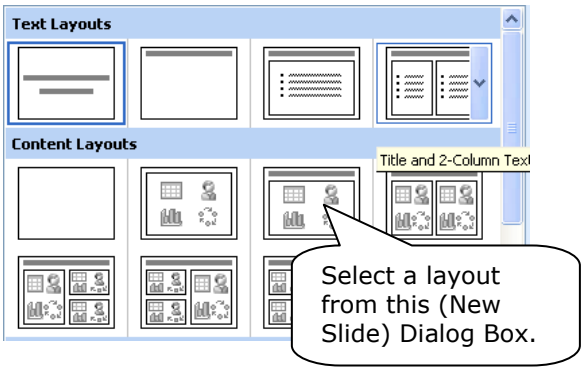

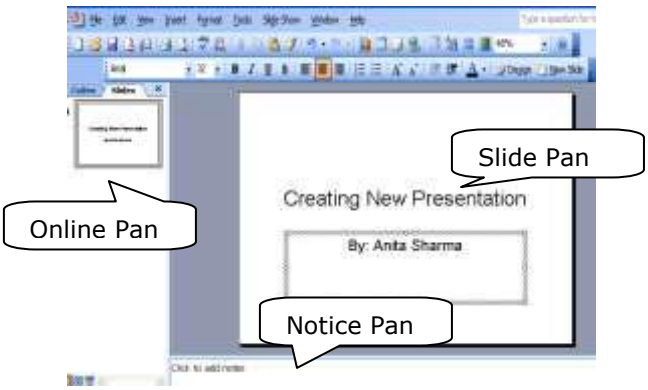

4- स्लाइड ले–आउट चुनने के पश्चात् स्लाइड में विषय से सम्बन्धित ऑब्जेक्ट, पिक्चर, ध्वनि इत्यादि डाला जा सकता है।

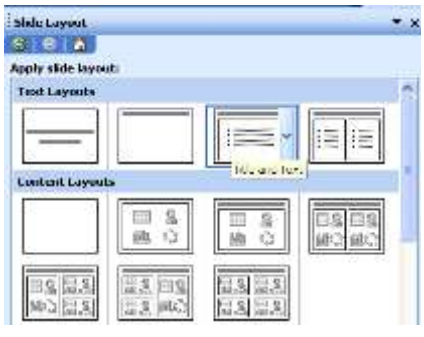

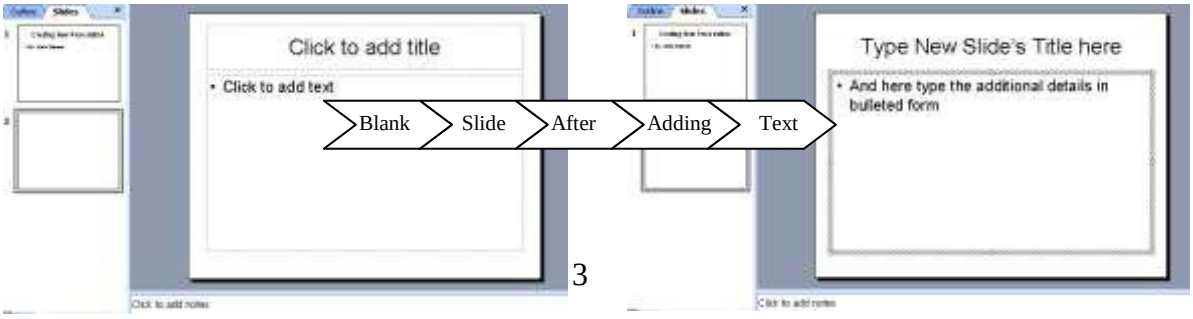

फ्रॉम डिज़ाइन टैम्प्लेट्स के द्वारा प्रेज़ेन्टेशन बनाने की विधिः

फ्रॉम डिज़ाइन टैम्प्लेट्स विकल्प के द्वारा स्लाइड के विभिन्न डिज़ाइन प्राप्त होते हैं, जिसके प्रयोग से स्लाइड के बैकग्राउन्ड के डिज़ाइन को बदला जा सकता है। (अन्य सभी विधियाँ ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन बनाने के समान है।)

फ्रॉम ऑटो कन्टेन्ठ विज़ार्ड के द्वारा प्रेज़ेन्टेशन बनाने की विधिः

इस विधि के प्रयोग से प्रेज़ेन्टेशन को विज़ार्ड के माध्यम से बनाया जाता है।

1. क्रिएट ए ब्लैंक प्रेज़ेन्टेशन तथा फ्रॉम ऑटो कन्ठेन्ट विज़ार्ड विकल्प कमशः चुनकर उसपर क्लिक करेंगे।
2. क्लिक करने पर विज़ार्ड डायलॉग बॉक्स खुलेगा जिसमे नेक्स्ट बटन पर क्लिक करेंगे।
3. प्रेज़ेन्टेशन प्रकार ऑल, जनरल इत्यादि विकल्पो मे से आवश्यकतानुसार विकल्प चुन कर नेक्स्ट बटन पर पुनः क्लिक करेंगें।
4. प्रेज़ेन्टेशन प्रकार चुनने के पश्चात् प्रेज़ेन्टेशन स्टाइल चुनेंगे तथा नेक्स्ट बटन पर क्लिक करेंगे।
5. तत्पश्चात प्रेज़ेन्टेशन का टाइटल तथा फुटर डालते है।
6. अन्त में फिनिश बटन पर क्लिक करेंगें।

फ्रॉम एग्ज़िस्टिंग प्रेज़ेन्टेशन के प्रयोग से प्रेज़ेन्टेशन बनानाः

फ्रॉम एग्ज़िस्टिंग प्रेज़ेन्टेशन के प्रयोग से पहले से बने प्रेज़ेन्टेशन को खोला तथा एडिट किया जा सकता है।

नई स्लाइड जोड़ने की विधिः

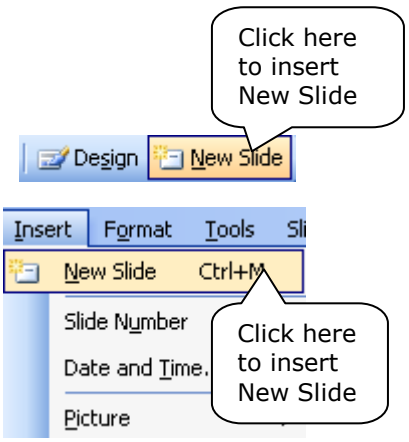

प्रेज़ेन्टेशन बनाते समय एक से अधिक स्लाइड बनाने की अवश्यकता पड़ती है। नई स्लाइड जोड़ने के लिए फॉरमेटिंग टूलबार मे से 'न्यू स्लाइड' विकल्प पर क्लिक करेंगे या शॉर्टकट बटन Ctrl+M भी दबाने से नई स्लाइड प्राप्त होती है, इसके अतिरिक्त 'इन्सर्ट मेन्यू' में से 'न्यू स्लाइड' विकल्प पर भी क्लिक किया जा सकता है। इच्छानुसार किसी भी विधि द्वारा नई स्लाइड प्राप्त की जा सकती है।

न्यू स्लाइड पर क्लिक करने पर बाईं ओर टास्क पैन पर स्लाइड की संख्या प्रिव्यू के रूप में दिखाई पड़ेगी, प्रेज़ेन्टेशन में दो या दो से अधिक स्लाइड को जोड़ा जा सकता है।

नई स्लाइड जोड़ने पर दाएँ ओर स्थित टास्क पैन में विभिन्न स्लाइड के ले–आउट प्राप्त होते हैं, इन ले–आउटो में टेक्स्ट बॉक्स, चार्ट, क्लिप आर्ट, डाईग्राम इत्यादि विभिन्न स्थानों में प्राप्त होते है। जिसपर क्लिक करके उपरोक्त ऑब्जेक्ट को स्लाइड में डाला जा सकता है।

स्लाइड में एडिटिंग तथा फॉरमेटिंग करने की विधिः

प्रेज़ेन्टेशन बनाते समय स्लाइड को विषय से सम्बन्धित तथा इच्छानुसार रूप में ढालने के लिए कुछ एडिटिंग (बदलाव या सुधार) तथा फॉरमेटिंग करने की आवश्यकता पड़ती है। स्लाइड में एडिटिंग तथा फॉरमेटिंग करने के लिए स्लाइड बनाने के पश्चात हम विवेक के अनुसार भिन्न भिन्न स्लाइड पर भिन्न भिन्न एडिटिंग तथा फॉरमेटिंग कर सकते है, या स्लाइड बनाने के पूर्व मास्टर स्लाइड प्रारूप के रूप में तैयार कर लेते है जिसके आधार पर अन्य स्लाइड बनती चली जाती है।

स्लाइड की नकल तैयार करना एवं स्लाइड को डिलीट करनाः

स्लाइड सॉर्टर के माध्याम से स्लाइड की स्थिति को देखा जा सकता है तथा स्लाइड को चुना जा सकता है। स्लाइड चुनने के पश्चात् उसकी नकल तैयार करने तथा डिलीट करने की विधि निम्नलिखित है–

1. स्लाइड को डिलीट करने एवं नकल तैयार करने के लिए स्लाइड को चुनें।
2. चुननें के पश्चात् नकल तैयार करने के लिए ctrl + d करें या एडिट मेन्यू मे से डुप्लिकेट विकल्प पर क्लिक करे तथा डिलीट करने के लिए ctrl+x करें या एडिट मेन्यू में से डिलीट विकल्प पर क्लिक करें।

ऑटो शेप को स्लाइड में डालनाः

1. ड्राइंग टूलबार पर ऑटो शेप विकल्प पर क्लिक करें।
2. ऑटो शेप विकल्प पर क्लिक करने पर एक लिस्ट प्राप्त होगी जिसमें अनेकों आकृति के विकल्प प्राप्त होंगे।
3. आवश्यकतानुसार विकल्प चुन कर क्लिक करें।
4. क्लिक करने के पश्चात् माउस पॉइन्टर (+) आकार में परिवर्तित हो जाता है। आवश्यकतानुसार स्थान पर ड्रैग करके चुनी गयी आकृति को प्राप्त किया जा सकता है।

स्लाइड शोः

इलैक्ट्रॉनिक प्रेज़ेन्टेशन का मॉनिटर या प्रोजेक्टर स्क्रीन पर एक के बाद एक चलने की प्रक्रिया को स्लाइड शो कहते है। प्रेज़ेन्टेशन को जब मॉनिटर या प्रोजेक्टर स्क्रीन पर चलाया जाता है तो उसमें कुछ विशेष ध्वनि तथा चल चित्र वाले प्रभाव डाले जाते हैं, जिससे स्लाइड शो आकर्षक बन जाती है। स्लाइड शो को चलाने के लिए स्लाइड शो मेन्यू बार के 'व्यू मेन्यू' विकल्प को चुना जा सकता है, इसके अतिरिक्त की–बोर्ड से F5 बटन पर क्लिक कर के भी स्लाइड शो देख सकते हैं। ये विशेष ध्वनि तथा चल चित्र प्रभाव निम्नलिखित है–

एनिमेशन तथा ट्रान्ज़िशनः स्लाइड में उपलब्ध ऑब्जेक्ट में गति देकर उसे चल चित्र में बदलना एनिमेशन कहलाता है।

स्लाइड शो के दौरान जब एक स्लाइड से दूसरी स्लाइड के समयन्तराल में जो चित्र गतिमान अवस्था में आता है वह स्लाइड ट्रान्ज़िशन प्रभाव कहलाता है।

म्यूजिक, साउन्ड तथा विडीओ (गीत, ध्वनि तथा चलचित्र): स्लाइड शो के समय श्रोताओं की रूचि बनाए रखने के लिए, स्लाइड में कुछ ध्वनि, गीत तथा चलचित्र

(विषय से सम्बन्धित) डाल सकते है, जिससे स्लाइड शो और अधिक रोचक बन जाता है।

स्लाइड में एनिमेशन प्रभाव डालने की विधिः

1. स्लाइड को चुन लें तथा उस ऑब्जेक्ट को चुनें जिसमें एनिमेशन डालना है।
2. ऑब्जेक्ट को चुन लेने के पश्चात् 'स्लाइड शो मेन्यू' के 'कस्टम एनिमेशन' विकल्प पर क्लिक करें।
3. 'कस्टम एनिमेशन' विकल्प पर क्लिक करने पर दाएँ ओर स्थित टास्क पैन में एनिमेशन डालने हेतु 'ऐड इफैक्ट' बटन प्राप्त होगा।
4. 'ऐड इफैक्ट' पर क्लिक करने पर एनिमेशन के चार विकल्प अनेकों उपविकल्पो के साथ प्राप्त होगा, जिसपर क्लिक करने पर वह इफैक्ट ऑब्जेक्ट में आ जाता है। साथ ही एनिमेशन प्रभाव की गति तथा समय भी निर्धारित कर सकते हैं।
5. अन्त मे। 'स्लाइड शो' बटन पर क्लिक करके स्लाइड शो देखा जा सकता है तथा 'प्ले' बटन पर क्लिक करके एनिमेशन प्रभाव का प्रिव्यू देखा जा सकता है।

स्लाइड में ट्रान्ज़िशन प्रभाव डालने की विधिः

1. स्लाइड को चुन ले। तथा उस ऑब्जेक्ट को चुने। जिसमे एनिमेशन डालना है।
2. ऑब्जेक्ट को चुने लेने के पश्चात् 'स्लाइड शो मेन्यू' के 'स्लाइड ट्रान्जिशन' विकल्प पर क्लिक करें।
3. 'स्लाइड ट्रान्जिशन' पर क्लिक करने पर ट्रान्जिशन के विकल्प प्राप्त होते हैं, जिसपर क्लिक करने पर वह ट्रान्जिशन, चुनें गए स्लाइड मे तथा 'एप्लाइ टू ऑल स्लाइड' पर क्लिक करने पर सभी स्लाइड पर आ जाता है। साथ ट्रान्जिशन की गति (फास्ट, स्लो, मीडियम), ऍडवान्स स्लाइड (ऑन माउस क्लिक तथा ऑटोमेटेकिली आफ्टर) आदि भी निर्धारित कर सकते है।

स्लाइड में चलचित्र तथा ध्वनि डालने की विधिः

1. स्लाइड को चुन लें जिसमे ध्वनि तथा चलचित्र डालना है।
2. 'इन्सर्ट मेन्यू' के 'मूवीज़ तथा साउन्ड' विकल्प पर क्लिक करें।
3. क्लिक करने के पश्चात् निम्नलिखित विकल्पो में से आवश्यकतानुसार विकल्प चुने–
   - क्लिप आर्ट में से ध्वनि डालने कि लिए 'गैलरी' विकल्प पर क्लिक करें।
   - किसी दूसरे लोकेशन की किसी फाइल से ध्वनि डालने के लिए 'साउन्ड फ्रॉम फाइल' विकल्प चुन कर स्लाइड में ध्वनि डाली जा सकती है।
4. ध्वनि के लिए ( ) आइकन स्लाइड में आ जाता है, जिसपर डबल क्लिक करने पर स्लाइड शो के समय ध्वनि बजने लगेगी।

एक्शन बटन तथा हाइपरलिंक डालनाः

स्लाइड शो के समय स्लाइड को आगे पीछे बढ़ाने के लिए स्लाइड पर एक्शन बटन डालते हैं जो विभिन्न प्रकार के होते हैं। एक्शन बटन डालने की प्रक्रिया–

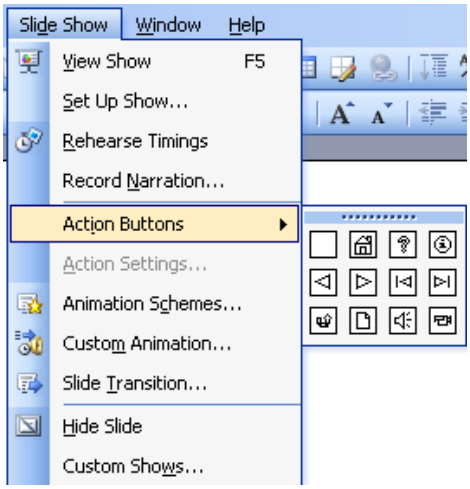

1. स्लाइड को चुन लें जिसमें एक्शन बटन डालना है।
2. 'स्लाइड शो मेन्यू' के 'एक्शन बटन' विकल्प पर क्लिक करे।
3. एक्शन बटन पर क्लिक करने पर आगे पीछे आदि बढ़ाने के लिए होम (पहले स्लाइड पर आने के लिए), बैक या प्रीवियस (एक स्लाइड पीछे जाने के लिए), फॉरवर्ड या नेक्स्ट (एक स्लाइड आगे जाने के लिए), एन्ड (अन्तिम स्लाइड पर जाने के लिए) इत्यादि।
4. आवश्यकतानुसार एक्शन बटन चुन कर स्लाइड के किसी कोने पर ड्रैग करके OK बटन पर क्लिक करें।
5. स्लाइड शो के समय एक्शन बटन पर क्लिक करने से बटन से सम्बन्धित प्रक्रिया होगी।
6. एक्शन बटन को ड्रैग करने के पश्चात डायलॉग बॉक्स में हाइपरलिंक विकल्प पर क्लिक करके ड्रॉप डाउन सूची में से आवश्यकतानुसार विकल्प पर क्लिक करके OK बटन पर क्लिक करने से चुने गए विकल्प से सम्बन्धित प्रक्रिया होगी।